नी फुलवाड़ी वालिये सीता

नी फुलवाड़ी वालिये सीता पा दे खैर फकीरा नु,
पा दे खैर फकीरा नु पा दे खैर फकीरा नु,
नी फुलवाड़ी वालिये सीता पा दे खैर फकीरा नु,

रावण पापी बेश बटाया जोगी बन जंगल विच आया,
द्वारे सिया दे अलख जगाया पा दे खैर फकीरा नु,
नी फुलवाड़ी वालिये सीता पा दे खैर फकीरा नु,

सीता खैर लेके आई रावण झोली पीछे हटाई,
रावण खैर मूल न पाई कहंदा टप लकीरा नु,
नी फुलवाड़ी वालिये सीता पा दे खैर फकीरा नु,

काह्नु टपि जी लकीर काह्नु भेजे लक्षमण वीर,
सड़ गई मथे दी तकदीर दुखड़े पये शरीरा नु,
नी फुलवाड़ी वालिये सीता पा दे खैर फकीरा नु,

Source:
https://www.bharattemples.com/ni-fuulvadi-valiye-sita-paa-de-khair-fakeera-nu/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw